सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 06 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 7 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हमारे जीवन की ज्यादातर समस्याएं हमारे बोलने के लहजे से पैदा होती हैं। इससे मतलब नहीं है कि हम क्या कहते हैं, इससे मतलब है कि हम कैसे कहते हैं।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

ट्रॉफी उठाने से एक कदम दूर भारतीय... 7 | चुनाव से पहले भाजपा पर विपक्षी... 3 | बिहार में नीतीश ने किया गठबंधन... 2

केंद्र के खिलाफ दिल्ली में कर्नाटक सरकार का हल्लाबोल

डीके शिवकुमार ने कहा- हम कर्नाटक के लोगों के लिए लड़ रहे

» आर्थिक अत्याचार और नाइंसाफी को लेकर जंतर-मंतर में कर्नाटक कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

» सीएम सिद्धारमैया बोले- हमें उम्मीद है कि सरकार हमारे विरोध को सुनेगी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार भाजपा के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखा रही है। अब केंद्र सरकार पर आर्थिक अत्याचार और नाइंसाफी के आरोप लगाते हुए कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ हल्लाबोल रही है और जोरदार विरोध प्रदर्शन कर रही है।

कर्नाटक के शीर्ष कांग्रेस नेता 'चलो दिल्ली' आह्वान के तहत दिल्ली पहुंच गए हैं और जंतर-मंतर पर मोदी सरकार के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस का दावा है कि केंद्र सरकार की नाइंसाफी के कारण साल 2017-18 के बाद से अब तक कर्नाटक सरकार को 1.87 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

हमारी चार-पांच मांगे हैं : प्रियांक

मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि चार-पांच मांगें हैं। करों को लेकर जो अन्याय हो रहा है उसके खिलाफ लड़ रहे हैं। इसके अलावा हमें सूखा राहत राशि नहीं मिल रही है। इन्हीं सबको लेकर हम विरोध कर रहे हैं। केंद्र को समझना चाहिए कि कर्नाटक एक आर्थिक महाशक्ति है।

हमारा उद्देश्य राज्य और कन्नड़ लोगों के हितों की रक्षा करना : सिद्धारमैया

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया भी केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंच गए हैं। यहां बात करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार हमारे विरोध को सुनेगी। हमारा मुख्य उद्देश्य राज्य और कन्नड़ लोगों के हितों की रक्षा करना है।

हम अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे : शिवकुमार

जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक दूसरा सबसे बड़ा राज्य है, जो इस देश को सबसे ज्यादा राजस्व दे रहा है। हम अपना अधिकार मांग रहे हैं, हम अपना हिस्सा मांग रहे हैं। हम यहां यह दिखाने आए हैं कि हम सभी कर्नाटक के लोगों के लिए लड़ रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि हम अपने अधिकारों के लिए पूछ रहे हैं, हमें जो भी फीसदी मिलना चाहिए, उसका 13 फीसदी मिल रहा है। अगर अन्य राज्यों को लाभ मिलता है तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने (केंद्र ने) गुजरात को जो नीतियां, योजनाएं दी हैं उन्हें हमें भी देना चाहिए।

भाजपा और बीजद के बीच है गठजोड़ : राहुल

» कांग्रेस सांसद बोले- मिलकर प्रदेश को लूट रहे मोदी-पटनायक

» ओडिशा के 30 लाख युवा अन्य राज्यों में नौकरी के लिए भटक रहे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राउरकेला। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। कांग्रेस की ये यात्रा अब ओडिशा पहुंच चुकी है। प्रदेश के राउरकेला स्थित सुंदरगढ़ से आज यात्रा शुरू हुई। इससे पहले सुबह-सुबह ही राहुल गांधी यहां के वेदव्यास मंदिर पहुंचे। राहुल ने यहां पूजा-अर्चना की और अनुष्ठान को लेकर जानकारी हासिल की।

इस दौरान ओडिशा की सत्ताधारी पार्टी बीजू जनता दल और भाजपा पर जमकर निशाना भी साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि ओडिशा में भाजपा और बीजद के बीच गठजोड़ है और कांग्रेस राज्य के लोगों के हितों की रक्षा के लिए बीजद-भाजपा गठजोड़ का विरोध करती रही है। उन्होंने कहा कि आप जानते ही हैं कि ओडिशा में नवीन पटनायक और मोदी की साझा सरकार है। दोनों ने हाथ मिलाया है और मिलकर काम करते हैं। मुझे संसद में पता चला कि बीजद, भाजपा का समर्थन करती है।

ओडिशा के 40 प्रतिशत युवा पढ़ाई और कमाई से दूर

वहीं ओडिशा की समस्याओं व बेरोजगारी का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा कि बेरोजगारी की बीमारी देश भर में फैल रही है और हर प्रदेश इस बीमारी से बुरी तरह पीड़ित है। सोशल मीडिया पर लिखते हुए राहुल ने कहा कि ओडिशा के आंकड़े देखिए 40प्रतिशत युवा पढ़ाई और कमाई से दूर हैं, 1 लाख से अधिक सरकारी पद खाली हैं और लाखों युवा नौकरी की तलाश में हैं। ओडिशा के 30 लाख से अधिक युवा नौकरी के लिए अन्य राज्यों में भटक रहे हैं और मोदी मित्र नवीन पटनायक के संरक्षण में बाहर से आये 30 अरबपति उद्योगपति राज्य के संसाधनों को लूट रहे हैं। रेल, सेल, पोर्ट, एयरपोर्ट समेत कांग्रेस द्वारा बनाए गए देश के बड़े पीएसयू आज मोदी की 'मित्र नीति' से बेचे जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकता है जीएसटी में सुधार कर छोटे उद्योगों के लिए एक नया आर्थिक मॉडल तैयार करना, अंधे निजीकरण को रोकना है।

बजट सत्र: विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा

खरगे ने भाषण के हिस्सों को हटाए जाने पर जताई आपत्ति

» कांग्रेस ने केन्द्र के चाइना से आयात पर उठाये सवाल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आज 8वां दिन है। आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में जवाब दिया। लेकिन इससे पहले आज चर्चा के दौरान संसद के दोनों सदनों राज्यसभा और लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने सरकार से सवाल पूछे और आरोप लगाए। इस बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने आज लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया है, जिसमें चीन से सीमा पर जारी तनाव के मुद्दे पर चर्चा की मांग की गई है।

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ से शिकायत की कि उनके भाषण के कुछ अंश हटा दिए गए हैं। खरगे ने उनके भाषण के हटाए गए अंशों को फिर से जोड़ने की मांग की है।

मेड इन इंडिया मोबाइल फोन में चाइनीज पार्ट्स क्यों हो रहे प्रयोग : गोगोई

लोकसभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार से सवाल किया कि भारत जो मोबाईल फोन बना रहा है, वह 'मेड इन इंडिया' है, लेकिन इसके अंदर के पार्ट्स 'मेड इन चाइना' क्यों हैं? जिस तरह चीन के सैनिक हमारे किसानों के साथ मुठभेड़ कर रहे हैं, उसके बाद भी भारत सरकार चीन से मोबाइल के पार्ट्स इम्पोर्ट क्यों कर रही है? भारत सरकार ये मोबाइल पार्ट्स दूसरे देशों से इम्पोर्ट क्यों नहीं कर रही?

न्याय यात्रा में शामिल होंगे अखिलेश

» सपा प्रमुख ने स्वीकार किया भारत जोड़ो न्याय यात्रा का निमंत्रण

» अमेठी-रायबरेली में बनेंगे यात्रा का हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी आजकल मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। ये यात्रा आगामी 14 फरवरी को देश के सबसे बड़े व प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश पहुंचने वाली है। इस बीच ये सवाल लगातार उठता रहा कि क्या यात्रा में इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी शामिल होगी या नहीं? ऐसे में अब खबरें आ रही हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरने ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को भारत जोड़ो न्याय यात्रा का निमंत्रण भेजा है, और इस निमंत्रण को सपा प्रमुख स्वीकार भी कर लिया है।

अब जानकारी ये भी निकलकर सामने आ रही है कि अखिलेश यादव रायबरेली और अमेठी में इस यात्रा का हिस्सा बन सकते हैं। अखिलेश यादव ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि उन्हें इस यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण नहीं मिला है। तब पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा था कि रूट तय होने के बाद सहयोगी दलों को यात्रा के लिए सूचित किया जाएगा। मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे ने अखिलेश यादव को यात्रा के लिए आमंत्रित किया, जिसे अखिलेश ने स्वीकार कर लिया है। अखिलेश यादव ने कांग्रेस को बधाई देते हुए निमंत्रण स्वीकार किया और 16 फरवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने के पश्चात अमेठी या रायबरेली में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी। साथ ही उन्होंने कहा कि आशा है ये 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' उप्र में प्रवेश करके पीडीए की रणनीति से जुड़ेगी और हमारे 'सामाजिक न्याय' और 'परस्पर सौहार्द' के आंदोलन को और आगे ले जाएगी। 'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति, जीत का नया इतिहास लिखेगी।

इंडिया की टीम और पीडीए की रणनीति लिखेगी जीत का नया इतिहास

पसमांदा मुस्लिमों से भाजपा की हमदर्दी सिर्फ दिखावा : सपा अध्यक्ष

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा है कि पसमांदा मुस्लिमों के लिए हमदर्दी जताने का नया धंधा भाजपा ने शुरू तो कर दिया है, पर वास्तव में उनकी दशा-दिशा में सुधार की कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि दिखावे के लिए बुनकरों को फ्लैट रेट का वादा किया है, पर 72 रुपये फ्लैट रेट पर पॉवरलूम की बिजली बढ़ाकर सीधे 400 रुपये कर दी है। आज पावरलूम पर बुनी जाने वाली साड़ी की लागत भी नहीं निकल पा रही है। इसलिए पावरलूम बेचकर लोग पलायन कर रहे हैं। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि लापरवाही का नतीजा यह है कि अब गड्ढों में सड़कें सिमटती जा रही हैं। अपराधियों के साथ भाजपा नेताओं की साठगांठ से अपराध बढ़ रहे हैं। सरकारी आंकड़े ही बताते हैं कि यूपी में हिरासत में मौतों के मामलों और महिलाओं के प्रति अपराध के मामलों में अव्वल है।

चार सीटों में हिस्सेदारी की मांग पर एनडीए में जाएगी रालोद!

एक ओर जहां इंडिया गठबंधन खुद को मजबूत करने में लगा है, तो वहीं दूसरी ओर गठबंधन के सहयोगी दल छिटकते जा रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश में एक चर्चा काफी जोर पकड़ रही है कि सपा के सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी अपनी पार्टी को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बन सकते हैं। रालोद के एनडीए गठबंधन को लेकर सियासी गलियों में चर्चा यह भी है कि रालोद मथुरा, बागपत, बिजनौर समेत चार सीटों पर सहमति देने के लिए तैयार है। भाजपा के साथ अंदरखाने इस बारे में ठोस बातचीत चल रही है। इस बातचीत में सिर्फ सीटों का ही सौदा नहीं है। सीटों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग भी रखी जा रही है। रालोद सिर्फ लोकसभा चुनाव तक ही सीमित नहीं है। पार्टी इसके साथ ही प्रदेश सरकार में हिस्सेदारी भी चाहती है। हालांकि, रालोद की तरफ से इन बातों का खंडन ही किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय का कहना है कि एनडीए में जाने की बात कोरी अफवाह है। रालोद पूरी दृढ़ता से साथ इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने गणतंत्र दिवस के बाद एक्स पर भी कोई पोस्ट नहीं की है। इसी दौरान छपरौली में 12 फरवरी के कार्यक्रम को भी पीछे हटा दिया गया। रालोद नेताओं ने अपने हिस्से में आई सभी सीटों पर जो सर्वे कराया, उसमें अपने ही प्रत्याशी लड़ाने की बात भी सामने आई थी। जिसके बाद असमंजस की स्थिति है।

टीएमसी पार्टी नहीं भ्रष्टाचारी कंपनी है : सुवेंदु अधिकारी

» बोले- अब ममता दीदी के जाने का वक्त आ गया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि टीएमसी भ्रष्ट पार्टी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि टीएमसी कोई पार्टी नहीं है। ये भ्रष्टाचारी कंपनी है। सीएम ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की ये प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है।

अधिकारी ने दावा करते हुए कहा कि टीएमसी का एजेंडा है कि भ्रष्टाचार करो और तुष्टीकरण कर हिंदूओं के खिलाफ काम करो। इस एजेंडा पर टीएमसी चल रही है। इनका जाने का वक्त तैयार हो गया है। जनता तैयार है। हम लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिपाही होने के नाते ना खाऊंगा और ना ही खाने देंगे के एजेंडा पर चल रहे हैं। सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी पर ऐसे समय पर हमला किया है जब ईडी ने मंगलवार को ही मनरेगा कोष के कथित गबन की को लेकर राज्य के कई स्थान में छापेमारी की। अधिकारियों ने कहा कि कथित अनियमितताएं राज्य में मनरेगा के तहत जारी किए गए लगभग 25 लाख फर्जी रोजगार कार्ड से संबंधित हैं।

बिहार में नीतीश ने किया गठबंधन का अंतिम संस्कार : कृष्णम

» पीएम मोदी के बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले आचार्य प्रमोद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कभी कांग्रेस की सराहना करने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णम आजकल भाजपा से लगातार नजदीकियां बढ़ा रहे हैं। इसी के चलते पार्टी ने उन्हें निकाल भी दिया है। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला। लेकिन पहले प्रधानमंत्रई मोदी से मिलने के बाद अब प्रमोद कृष्णम ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है।

जिसको लेकर फिर चर्चाएं गर्म हुई हैं। हालांकि, प्रमोद कृष्णम का कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह में आने का निमंत्रण दिया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि संभल में आगामी 19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल्कि धाम का शिलान्यास करेंगे। मुझे विश्वास हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कार्यक्रम में पधारेंगे। जाहिर है कि इससे पूर्व आचार्य प्रमोद कृष्णम पीएम मोदी से भी मिले थे इसकी खबर सामने आने के बाद ही उनके भाजपा में जाने की चर्चाएं तेज हो गयी थीं। जिसके बाद उन्हें कांग्रेस से सस्पेंड किये जाने की भी खबरें आयी थीं।

मैंने किसी को नहीं छोड़ा, सिर्फ भगवान राम को पकड़ा है

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैंने तो कुछ भी छोड़ा नहीं है। मैंने राम भगवान को पकड़ा है। कल्कि धाम बनाने का संकल्प लिया है। पीएम और सीएम को आमंत्रित करना यदि कोई गुनाह है, तो मैं उसकी सजा भुगतने को तैयार हूं। कांग्रेस नेताओं को निमंत्रण दिए जाने की बात पर कहा कि भगवान सबके हैं। इंडिया गठबंधन पर बोले कि वेंटिलेटर पर आने के बाद नीतीश कुमार ने इसका पटना में अंतिम संस्कार कर दिया है। उसका जैसे जन्म हुआ था, वैसे ही बीमारियों से ग्रस्त हो गया। बता दें कि प्रमोद कृष्णम वर्ष 2019 में कांग्रेस के टिकट पर राजनाथ सिंह के खिलाफ लखनऊ से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

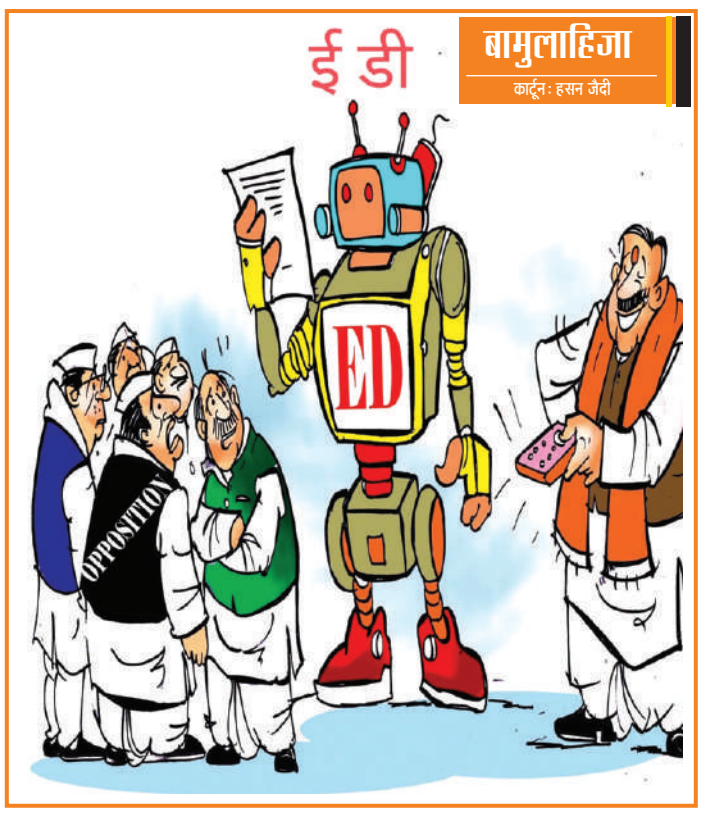

कांग्रेस ने मेरे पिता को कोई पद दान में नहीं दिया: शर्मिष्ठा

» प्रणब मुखर्जी की बेटी ने कांग्रेस की विचारधारा पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की मौजूदा विचारधारा पर सवाल उठाया। साथ ही उन्होंने कहा कि गांधी-नेहरू परिवार ने उनके पिता को कोई पद दान में नहीं दिया था। दरअसल, शर्मिष्ठा ने एक दिन पहले भी कांग्रेस को नसीहत दी थी कि समय आ गया है कि नेतृत्व के लिए कांग्रेस पार्टी गांधी-नेहरू परिवार से बाहर देखे। इसी पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गांधी-नेहरू परिवार ने प्रणब मुखर्जी को कोई पद दान में नहीं दिया।

शर्मिष्ठा ने कहा कि कांग्रेस या गांधी-नेहरू परिवार ने मेरे पिता को कोई पद दान में नहीं दिया था। उन्होंने इसे अर्जित किया और इसके हकदार थे। क्या गांधी परिवार के लोग उन सामंतों की तरह हैं, जिनसे उम्मीद की जाती है कि उन्हें चार पीढ़ियों तक श्रद्धांजलि दी जाएगी? शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि वैसे वर्तमान कांग्रेस पार्टी की विचारधारा क्या है? चुनाव से ठीक पहले शिव भक्त बन रहे हैं।

चुनाव से पहले भाजपा पर विपक्षी वार

यूपी से लेकर बंगाल तक मोदी के खिलाफ हल्ला बोल

» लोस 24 के लिए तैयार हो रही बिसात

» बंगाल में ममता व भाजपा में रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव करीब आ रहे हैं। भाजपा व विपक्ष में तकरार भी तेजी पर आ गया है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बीजेपी हर मंच से एक बार फिर राम के नाम पर वोट मांगने लगी है। यूपी में सपा, बंगाल में टीमएसी, पंजाब व दिल्ली में आप तो पूरे देश में कांग्रेस ने भाजपा के नाक में दम करने की रणनीति बना ली है। आने वाले 2024 चुनाव के बाद परिणाम ही बताएंगे की किसकी बाजी चलती है। बिहार में भी चूहे बिल्ली की दौड़ जारी है। नीतीश ने राजद से साथ छुड़ाकर राजग का हाथ थामा। वैसे उन्हें 12 को बहुमत साबित करना है पर उससे पहले मांझी ने उन्हें डरा दिया है। उन्होंने अपने बेटे के विभाग पर नाखुशी जाहिर की है।

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच खींचतान लगातार जारी है। इसी कड़ी में अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध प्रदर्शन को लेकर भाजपा ने टिप्पणी की है। बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने मनरेगा फंड पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध को एक नाटक बताया। उन्होंने कहा, कि सीएम ममता नाटक के अलावा कुछ नहीं कर रही हैं। मजूमदार ने आगे ममता पर तंज कसते हुए कहा, जब लोग सरकार से तंग आ जाते हैं तो सरकार बाहुबल का इस्तेमाल करती है। यह सरकार भी ऐसा ही कर रही है, क्योंकि उन्होंने लोगों का समर्थन खो दिया है, लेकिन अब लोग इसके बारे में जागरूक हैं। उन्होंने टीएमसी पर गंभीर टिप्पणी करते हुए आगे कहा,यह सरकार जन समर्थित नहीं चोर समर्थित है। भाजपा अध्यक्ष बोले, लोग डरेंगे नहीं बल्कि उन्हें अपनी ताकत दिखाएंगे। उन्होंने टीएमसी की कमजोर आर्थिक स्थिति को भी निशाना बनाया और कहा कि उनके पास स्थिरता के लिए पैसे नहीं हैं, वे या तो शराब की बिक्री से या लॉटरी से धन इकट्ठा करेंगे। बता दें कि शनिवार को, ममता बनर्जी ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार 21 फरवरी तक 21 लाख मनरेगा श्रमिकों को उनकी लंबित मजदूरी का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा, राज्य सरकार 21 लाख मनरेगा श्रमिकों के बकाया का भुगतान करेगी, जिनकी मजदूरी केंद्र सरकार ने पिछले दिनों लंबित रखी है। उनका वेतन 21 फरवरी तक उनके बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा राज्य में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और अन्य सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों जैसी पहल के लिए धन आवंटन में देरी का हवाला देते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन किया है।

झारखंड में सोरेन का पीएम पर हमला

झारखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सुनियोजित तरीके से 2022 से पटकथा लिखी जा रही थी। गिरफ्तारी की इस सुनियोजित साजिश में राजभवन भी शामिल था। ये पकवान धीमी आंच पर पकाया जा रहा था। मैं आंसू नहीं बहाऊंगा, वंचितों के आंसुओं का मोल नहीं। हम लोगों ने सिर झुकाकर चलना नहीं सीखा। आदिवासी, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है, वे देश में सुरक्षित नहीं, फ्लोर टेस्ट से पहले विधानसभा में हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि सत्ता पक्ष की घृणा की ताकत है आज की स्थिति, हम इनके बराबर में आए तो इनके कपड़े मैले होने लगे। ये हमें अछूत मानते हैं इनका बस चले तो हमें वापस जंगल छोड़ आएं। इन्हें लगता है मुझे जेल में डालकर ये अपने मंसूबों में सफल होंगे, दोष साबित बुए तो राजनीति छोड़ दूंगा। यहां अनगिनत लोगों ने कुर्बानी देकर आदिवासी दलितों को बचाया है, इनको आदिवासी और दलितों से घृणा है, हम सत्ता लोलुपता के लिए कभी नहीं आए, आदिवासी के मान सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। वहीं चंपई सोरेन ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की योजना हर घर में दिखती है। लोगों के दिल में जले दीए को आप मिटा नहीं सकते हैं। चंपई सोरेन ने कहा कि

जिस परिवार में कभी शिक्षा का दिया नहीं जला हम उस परिवार में दिया जलाएंगे. क्या ये गलत है? केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है, हेमंत सोरेन पर झूठे आरोप लगाए गए। सीएम ने हेमंत सोरेन की तारीफ की। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने विधानसभा में कहा कि हेमंत सोरेन हैं तो हिम्मत है। हेमंत सोरेन ने राज्य का कुशल नेतृत्व किया। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शक्ति परीक्षण से पहले राज्य विधानसभा को संबोधित किया. इस दौरान चंपाई सोरेन ने कहा कि साजिश के तहत झारखंड को अस्थिर करने की कोशिश की गई है. चंपाई सोरेन ने कहा, 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में जनादेश को प्राप्त किया गया था और सरकार का गठन हुआ. हेमंत सोरेन ने कोरोना महामारी के दौरान राज्य की जनता को चिकित्सा के अभाव या भुखमरी से पीड़ित होने नहीं दिया. प्रवासी मजदूर विभिन्न राज्य में काम करने गए थे, लॉकडाउन के दौरान हेमंत सोरेन की सरकार ने किसी भी प्रवासी मजदूरों को तकलीफ नहीं होने दी, उन्हें हवाई जहाज, ट्रेन, या बस हर साधन के माध्यम से वापस लाने का काम किया।

कांग्रेस ने मोदी पर ईडी के दुरुपयोग पर उठाया सवाल

कांग्रेस ने फिनटेक फर्म पेटीएम पर भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिबंधों को लेकर सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय पर सवाल उठाया। इसके साथ ही मोदी सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र का रुख क्या है। पिछले सात वर्षों से पेटीएम पेमेंट्स बैंक को एक लंबी रस्सी क्यों मिली हुई है? पेटीएम पेमेंट्स बैंक के संस्थापक हैं पीएम मोदी के भक्त, उनके साथ सेल्फी लेते हैं और पीएम के पक्ष में विज्ञापन प्रकाशित करते हैं। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के दो दिन बाद 10 नवंबर 2016 को देश के बड़े अख़बारों में पीएम मोदी की तस्वीर के साथ फुल कवर विज्ञापन देता है। कांग्रेस नेता ने दावा किय कि इससे यह साफ होता है कि एक व्यक्ति जिस तरह का भी निर्णय चाहे, ले सकता था। आरबीआई की कार्यवाही की एक बड़ी वजह चीनी निवेश कंपनी का ज्यादातर निवेश पेटीएम में होना भी था। पहले अलीबाबा और आज भी उसके पास करीब 10 प्रतिशत साझेदारी है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या पीएम मोदी के साथ मधुर संबंधों के चलते उनके चहेते उद्योगपति क़ानून को ताक पर रखने का काम करते हैं? इतने सारे उल्लंघनों के बाद भी को इतनी लंबी ढील क्यों दी गई? मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर आक्षेप पर श्वष्ठ ने अब तक क्या कदम उठाए?

बिहार में चल रहा एक-दूसरे को पछाड़ने का खेल

बिहार की नौंवी बार कमान संभाल चुके नीतीश कुमार को लेकर दोल्हा-पाती के खिलाड़ी जैसी अवधारणा बन गई है। करीब एक दशक में जिस तरह चार बार नीतीश कुमार ने गठबंधन बदला, अपने साथी बदले, वह कूद-फांद का ही रूप है। दिलचस्प है कि नैतिकता और मर्यादा की सबसे ज्यादा दुहाई राजनीति देती है, लेकिन नैतिकताओं और मर्यादाओं का भंजन सबसे ज्यादा राजनीति ही करती है। नीतीश, राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी, कम से कम बिहार के संदर्भ में तीनों ही इसी प्रवृत्ति के उदाहरण बनकर सामने आए हैं। 2013 में जब भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित किया था, नीतीश कुमार ने उन्हें सांप्रदायिक करार देते हुए उस आठ साल से जिस पार्टी के साथ सत्ता चला रहे थे, उस भाजपा का दामन छोड़ दिया था। इसके पहले भी वे नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी सोच को जाहिर कर चुके थे। साल 2008 में जब कोसी नदी ने समंदर का रूप धर लिया था, तब गुजरात से बिहार पहुंची राहत की खेप को नीतीश ने बैरंग वापस करा दिया था। क्योंकि उस वक्त उनकी नजर में सांप्रदायिक नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। लालू बेशक नीतीश के सहयोगी बने, लेकिन वे 1994 की दगाबाजी नहीं भूले। धीरे-धीरे शासन में लालू परिवार का दबदबा बढ़ा तो नीतीश ने 2017 में फिर बीजेपी का साथ ले लिया। इसका उन्हें 2019 के आम चुनावों में फायदा भी हुआ। उनके 16 सांसद चुने गए। भारतीय गांवों का एक खेल है, दोल्हा-पाती। इसमें खिलाड़ी अपने को बचाने के लिए लगातार एक डाल से दूसरी डाल पर फांदते-कूदते रहते हैं। इस तरह वे खुद को खेल के नियम के अनुसार बचाने की कोशिश करते रहते हैं। वैसे तो यह खेल भारत के तकरीबन हर इलाके के गांवों में प्रचलित है। लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में यह खेल कुछ ज्यादा ही प्रचलित रहा है। 2013 में नीतीश कुमार ने उस लालू का दामन थाम लिया, जिनके विरोध में उन्होंने 1994 में जनता दल छोड़कर जार्ज फर्नांडिस की अगुआई में समता पार्टी बनाई थी। भाजपा के साथ 1996 में समता पार्टी ने जो गठबंधन किया, उसका नतीजा ही रहा कि 2005 के बिहार विधानसभा चुनावों में नीतीश की अगुआई में लालू यादव की लगभग अजेय समझी जाने वाली सत्ता को उखाड़ फेंका गया। तब नीतीश ने नया इतिहास रचा, लेकिन इसमें सहयोग बीजेपी का भी रहा। नीतीश-भाजपा की सरकार ने 2006-2010 के दौरान बिहार की कार्यशैली बदली, कानून-व्यवस्था को बेहतर किया और कई कीर्तिमान रचे। इसका असर यह हुआ कि 2010 के विधानसभा चुनावों में लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल की चुनावी इतिहास की सबसे बड़ी पराजय हुई। ऐसा माना जाने लगा कि लालू यादव की पार्टी अब खत्म हो जाएगी। लेकिन नीतीश कुमार ने 2013 में पलटी मारी और इसके बाद 2015 में हुए विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल को जैसे जीवनदान मिल गया। लेकिन नीतीश को लालू का यह साथ ज्यादा दिन रास नहीं आया। हालांकि इस बीच बिहार के जीन को लेकर नीतीश कुमार ने ऐसा अभियान चलाया कि बोरे में भरकर बिहार के लोग अपने बाल नरेंद्र मोदी के पते पर भेजते रहे। तब बिहारी लोगों का बाल उनकी शुद्ध बिहारी जीन का प्रतीक था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कानूनी अधिकारी राजनीति से प्रभावित न हों

कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन (सीएलईए) कॉमनवेल्थ अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल सम्मेलन में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि यह जरूरी है कि कानूनी अधिकारी राजनीति से प्रभावित न हों और कानूनी कार्यवाही की अखंडता सुनिश्चित करते हुए अदालतों में गरिमापूर्ण व्यवहार करें। हम परंपरा और नवाचार के चौराहे पर खड़े हैं, प्रौद्योगिकी न्याय के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभरी है।

कानूनी अधिकारी राजनीति से प्रभावित नही होने चाहिए। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने ये बातें एक कार्यक्रम में कही। सीजेआई इस बात का संज्ञान सत्ता से जुड़े लोगों को समझना होगा। राजनीति से जब कोई कानून प्रभावित होता है तो वह आमजन को भी प्रभावित करता है। साथ ही सीजेआई ने हा कि न्याय के लिए प्रौद्योगिकी एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभरी है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रौद्योगिकीय तंत्र को समानता व समावेशिता को ध्यान में रखकर तैयार किया जाए। सीजेआई ने कहा कि न्याय के प्रति साझा प्रतिबद्धता कायम करने के महत्व को पहचानने की आवश्यकता है। कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन (सीएलईए) कॉमनवेल्थ अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल सम्मेलन में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि यह जरूरी है कि कानूनी अधिकारी राजनीति से प्रभावित न हों और कानूनी कार्यवाही की अखंडता सुनिश्चित करते हुए अदालतों में गरिमापूर्ण व्यवहार करें।

हम परंपरा और नवाचार के चौराहे पर खड़े हैं, प्रौद्योगिकी न्याय के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभरी है। हालांकि इससे न्याय की गति और पहुंच बढ़ने की उम्मीद की जाती है, लेकिन हमें सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। सीजेआई ने कहा, भारतीय समाज के भीतर गहरी जड़ें जमा चुके संरचनात्मक और वित्तीय पदानुक्रम मंथन की मांग करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रौद्योगिकी अनजाने में मौजूदा समस्याओं को न बढ़ाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उ'चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी सभा को संबोधित किया। सीजेआई ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकीय तंत्र हमारे सभी हितधारकों की विविध आवश्यकताओं और क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए समानता व समावेशिता के आधार पर तैयार किए जाएं। कानूनी व्यवहार में नैतिकता को बनाए रखने में कानून अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कानूनी अधिकारी अदालतों और सरकार के बीच संपर्क के प्राथमिक बिंदु के रूप में कार्य करते हैं। सीजेआई ने कहा, कार्यकारी जवाबदेही का एक महत्वपूर्ण पहलू कानूनी अधिकारियों के नैतिक आचरण और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है, जो न केवल सरकार के प्रतिनिधियों के रूप में बल्कि अदालत के अधिकारियों के रूप में भी कार्य करते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्यासे पूर्वी राजस्थान में जगी उम्मीदें

डॉ. यश गोयल

लोकसभा चुनाव-2024 पर नजर रखते हुए, राजस्थान और मध्यप्रदेश ने हाल ही में 'संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी' (पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के साथ मूल पीकेसी का एकीकरण) के कार्यान्वयन के लिए जलशक्ति मंत्रालय (एमओजेएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। देश में नदियों को आपस में जोड़ने (आईएलआर) की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के साथ रेगिस्तानी राज्य ने नयी पहल की है। पिछले पांच वर्षों से, राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार सार्वजनिक रूप से चिल्ला रही थी और 2019 में अपने चुनावी वादे के अनुसार ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए पीएम को याद दिला रही थी। लेकिन केंद्र सरकार ने इसे खुले तौर पर नजरअंदाज कर दिया था। विधानसभा चुनाव-2023 से पहले भी कांग्रेस ने बड़ी ईआरसी-यात्रा निकाली थी लेकिन जलशक्ति मंत्री समाधानों को अनदेखा करते रहे और यह एक राजनीतिक एजेंडा बन गया।

गहलोत सरकार ने अपने 2023-24 के बजट में ईआरसीपी को राज्य सरकार के खर्चे पर पूरा करने की योजना की घोषणा की थी। सबसे पहले बजट में 9000 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की और बाद में 5000 करोड़ रुपये और देने की घोषणा की गई। गहलोत हमेशा अपने हर भाषण में ईआरसीपी का जिक्र कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी से मांग करते रहे। अब बीजेपी की डबल इंजन सरकार की नजर लोकसभा चुनाव-2024 पर है और इस प्रोजेक्ट के जरिए उसका लक्ष्य राजस्थान के तेरह जिलों की 9 लोकसभा सीटें जीतने का है। वर्ष 2024 में सत्ता में आने पर ईआरसीपी पर मोहर लगाने वाली मोदी सरकार की यह पहली बड़ी चुनावी 'गारंटी' होगी। इतना ही नहीं, एमपी सरकार ने कथित तौर पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से अपनी पारबती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना वापस ले ली है। जिस पर राजस्थान के सीएम भजन लाल ने उम्मीद जताई है कि इससे दोनों राज्य इस परियोजना को आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे। अब इस एमओयू से बीजेपी को दोनों राज्यों के 26 जिलों में किसानों का समर्थन मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान के 13 जिले झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर इसमें शामिल हैं। यदि इसे राष्ट्रीय परियोजना

घोषित किया गया तो 13 जिलों को ईआरसीपी से पीने और सिंचाई का पानी मिलेगा और 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की इस परियोजना में बांधों के निर्माण के अलावा नहरें और पेयजल परियोजनाएं भी बनाई जाएंगी। ईआरसीपी के नाम से मशहूर आईएलआर परियोजना में कुछ बदलाव करने के बाद केंद्र सरकार ने इसका नाम बदल दिया। इस संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक की डीपीआर की तैयारी पहले से ही प्रगति पर है। डीपीआर के नतीजे के आधार पर, राजस्थान, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के बीच समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसमें लिंक परियोजना के काम का दायरा, पानी का बंटवारा, पानी का आदान-प्रदान, लागत और लाभ का बंटवारा, कार्यान्वयन शामिल होगा। चम्बल बेसिन में जल प्रबंधन एवं नियंत्रण हेतु तंत्र एवं व्यवस्थाएं आदि। जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दोनों राज्यों से अनुरोध किया कि वे संबंधित राज्यों द्वारा विभिन्न घटकों की डीपीआर को जल्द से जल्द अंतिम रूप दें ताकि लिंक परियोजना का कार्यान्वयन जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। राजस्थान में अपने कुछ संवादों में शेखावत ने कहा कि संयुक्त राज्य परियोजना पर 45000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे पूरा होने में 5-6 साल लगेंगे। नई डीपीआर के साथ सिंचाई और पीने के लिए 2500 एमसीएम से अधिक पानी अगले 30 वर्षों के लिए पिछले अनुमानों से लगभग पांच गुना अधिक उपलब्ध होगा। मंत्री ने कहा कि आईएलआर परियोजना के तहत, केंद्र अपनी 90 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रदान करेगा और मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार दोनों 4000 करोड़ रुपये का योगदान देंगे। मौजूदा विधानसभा सत्र के दौरान, विपक्षी कांग्रेस ने भाजपा शासन पर निशाना साधते हुए पूछा कि यह परियोजना अधर में क्यों लटकी हुई है।

विपक्ष के नेता टीका राम जूली ने पूछा, 'क्या यह परियोजना 50 प्रतिशत पानी पर निर्भर है या 75 प्रतिशत क्योंकि सिंचाई का पानी केवल 50 प्रतिशत ही उपलब्ध हो सकता है? अन्यथा यह सिर्फ एक पेयजल योजना होगी। विधानसभा में एमओयू की मुख्य प्रति भी पेश करें।' किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष, रामपाल जाट ने नए एमओयू पर संदेह व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि राजस्थान को पिछले डीपीआर-2017 में प्रस्तावित और जलशक्ति मंत्री के दावों के अनुसार पीने और सिंचाई के पानी का उचित हिस्सा नहीं मिलेगा।

सेना की निरंकुशता का दंश झेलता पाक लोकतंत्र

जी. पार्थसारथी

अखबार की एक हालिया रिपोर्ट में वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार मलीहा लोधी, जो विगत में एक बड़े राजनयिक पद पर भी रह चुकी हैं, लिखती हैं कि पाकिस्तान के वर्तमान सैन्य प्रतिष्ठान का मुख्य ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि इमरान खान प्रधानमंत्री न बनने पाएं। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14 साल की सजा मिली है। सरकारी गुप्त भेद जाहिर करने के एक अन्य मामले में इमरान खान को पहले ही 10 साल की कैद सुनाई जा चुकी है। कोई हैरानी नहीं कि पाकिस्तान का राजकाज एक अंतरिम सरकार के हाथ में होने के बावजूद पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा अपने चेले ले. जनरल असीम मुनीर को अपनी जगह बैठवा पाए, जब नवम्बर, 2022 को उन्हें नया सेनाध्यक्ष बनाया गया। पूर्वानुमानों के अनुसार सेनाध्यक्ष बनते सार जनरल मुनीर की पहली विदेश यात्राओं में एक था वाशिंगटन डीसी का हालिया दौरा। यह जनरल बाजवा ही थे जिन्होंने अमेरिका के कहने पर पाकिस्तान से यूक्रेन को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करवाया था।

यूक्रेन जैसे मामले से इतर भी अमेरिका का पाकिस्तान पर काफी प्रभाव अभी भी कायम है। हालांकि इसका पाकिस्तान और उसके सदाबहार दोस्त चीन के बीच रिश्तों पर कोई असर नहीं है। पाकिस्तानी सेना का देश के घरेलू मामलों और विदेश नीति में भारी दखल बना हुआ है। इमरान खान संसदीय चुनाव जीतकर पुन: सत्ता हासिल न करने पाएं, इसके पीछे सेनाध्यक्ष की भूमिका खासी है। इमरान खान ने अमेरिका के खिलाफ भी काफी ज़हर उगला था। आज पाकिस्तान के लिए फिक्र करने लायक केवल भारत नहीं है क्योंकि उत्तर में अफगानिस्तान और पूर्वी पड़ोसी ईरान के साथ उसके रिश्ते तल्ख हैं। इस बीच, चीन और ईरान अफगानिस्तान पर डोरे डाल रहे हैं तो पाकिस्तान अपने यहां शरण लिए बैठे लगभग 37 से 44 लाख अफगान-पश्तूनों को खदेड़ना चाहता है। यह शरणार्थी वही अफगान लोग हैं, जिनका इस्तेमाल कर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में पहले सोवियत संघ और फिर अमेरिका के विरुद्ध छद्मयुद्ध चलाए रखा था।

लेकिन इसका शुद्ध परिणाम है अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव। भारत उन 10 क्षेत्रीय मुल्कों में एक है जिन्होंने हाल ही में तालिबान द्वारा काबुल में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए सम्मेलन में भाग लिया। इसमें भारत, कजाखस्तान, तुर्की, रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, इंडोनेशिया और किर्गिज़स्तान ने भाग लिया। जाहिर है भारत आगे भी गेहूं आपूर्ति, बुनियादी ढांचा निर्माण, शिक्षा क्षेत्र के विकास हेतु अफगानिस्तान की मदद जारी रखेगा। इसलिए अफगान जनता भारत की उपस्थिति का स्वागत करती है। पाकिस्तान इस प्रक्रिया में अड़ंगा लगाने लायक नहीं रहा क्योंकि अब सहायता सामग्री ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिये पहुंच रही है। इसी बीच, भारत की भांति यूएई ने तालिबान सरकार के साथ निकट सहयोग स्थापित कर लिया है।

तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होंगे, इमरान खान और नवनियुक्त सेनाध्यक्ष के बीच दुश्मनी के कारण यह गैर-मामूली होने वाले हैं। इमरान खान और जनरल मुनीर के बीच कभी नहीं पटी और उन्हें निजी खुन्नस इसलिए भी है क्योंकि प्रधानमंत्री रहते हुए उनकी नियुक्ति बतौर आईएसआई महानिदेशक करने में इमरान खान ने अड़ंगा लगाया था। नतीजतन सरकारी नियमों का गंभीर उल्लंघन करने के दोष में इमरान खान को एक के बाद एक मुकदमें झेलने पड़ रहे हैं। इनमें एक है, इमरान खान द्वारा वाशिंगटन स्थित पाकिस्तान के राजदूत असर माजिद खान द्वारा भेजे अति गुप्त संदेश के ब्योरे को जगजाहिर करना जो उनके और अमेरिका के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अफसर के बीच मुलाकात के दौरान का संवाद है। यह अमेरिका की नीतियों का ठोस संकेत देता और पाकिस्तान को लेकर अमेरिका की पसंद-नापसंद पर बातचीत पर आधारित गुप्त संदेश था। किंतु इमरान खान ने गलत सलाह मानकर यह सूचना सार्वजनिक कर दी। इमरान और पत्नी बुशरा पर तेजी से मुकदमा चला और जेल की सजा मिली।

इस घटनाक्रम ने पाकिस्तान में इमरान खान पर विशेष अदालत में एक अन्य मामला चलाने की राह खोल दी, जिसमें हाल ही में उन्हें 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। हालांकि, इमरान ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन करने वाले दोषों को नकारा है। उनका कहना है कि पाकिस्तानी जनता के प्रति उत्तरदायित्व के हितार्थ उन्होंने वाशिंगटन से मिले संदेश को सार्वजनिक किया क्योंकि इसमें उन्हें अपदस्थ करने वाली कथित साजिश का जिक्र था। रोचक कि जहां यह सब हो रहा है वहीं सोमालियाई डाकुओं द्वारा अपहृत एक ईरानी जलयान, जिसका पूरा अमला पाकिस्तानी है, भारतीय नौसेना ने छुड़वा लिया। भारतीय नौसेना द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार ईरानी ध्वज लगे और पाकिस्तानी स्टाफ वाले एक जलयान का अपहरण सोमालियाई समुद्री डाकुओं द्वारा किए जाने की सूचना मिलने पर भारतीय विध्वंसक जलपोत ने प्रति-कार्रवाई करते हुए उसे सोमालिया के तट के पास बचा लिया। अलबत्ता पाकिस्तान ने इस घटना पर चुप्पी साध रखी है। इमरान खान की जबरन विदाई के बाद, जब से जनरल मुनीर ने कार्य संभाला है, बड़ी शिद्दत से प्रयास करके सुनिश्चित किया जा रहा है कि जो कोई भी इमरान खान का नज़दीकी या उनकी सरकार का सक्रिय मददगार रहा, उसको पकड़कर मुकदमा चलाया जाए।

पवनमुक्तासन

शरीर में लचीलेपन और रीढ़ की हड्डी मजबूत करने के लिए पवनमुक्तासन करें। पवनमुक्तासन से शरीर की थकान दूर होती है। इस आसन को करने के लिए बिस्तर पर लेटकर दोनों पैरों को आपस में मोड़ लें। फिर घुटनों को छाती पर लगाते हुए दोनों हाथों से पैरों को समेटें। इसी अवस्था में रहते हुए लंबी-लंबी सांस लें और छोड़ें। जिसे करने से पेट की गैस छोड़ने में सहायता मिलती है। इस आसन के नियमित करने से पेट की गैस के साथ-साथ कई अन्य बीमारियों में राहत मिलती है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

अर्ध मत्स्येन्द्रासन के अभ्यास से हिप्स और जांघ की मांसपेशियों का फैट कम होता है। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होने के साथ ही कमर की चर्बी कम होती है। अर्ध मत्स्येन्द्रासन को करने के लिए बिस्तर पर पहले दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब शरीर को सीधा रखते हुए बाएं पैर के घुटनों से मोड़कर दाएं पैर को उठाकर बाएं घुटने पर ले लाएं। अब दाएं हाथ की कोहनी को दाएं पैर के घुटने के ऊपर रखें। इसी अवस्था में रहने के बाद दूसरी तरफ से यह आसन दोहराएं। अर्ध मत्स्येन्द्रासन योगासन नियमित करने से स्नायु, सुदृढ़ बनने के साथ ही ग्रंथियों के कार्य में सुधार आता है।

गलत लाइफस्टाइल और खानपान से लोगों की सेहत पर प्रभाव पड़ता है। जिसके कारण लोग कई बीमारियों से ग्रसित होने लगते हैं।

सुबह बिस्तर पर ही करें ये योगासन

गलत लाइफस्टाइल और खानपान से लोगों की सेहत पर प्रभाव पड़ता है। जिसके कारण लोग कई बीमारियों से ग्रसित होने लगते हैं। इन में मोटापा, थकान, शरीर दर्द और तनाव आदि शारीरिक और मानसिक समस्या शामिल हैं। इस तरह की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए योगासन लाभकारी होता है। योगासन का नियमित अभ्यास गलत जीवन शैली और पौष्टिक आहार की कमी से होने वाली समस्याओं से राहत दिलाता है। हालांकि भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में लोगों के पास योग या व्यायाम करने तक का समय नहीं मिल पाता। लेकिन सेहत को दुरुस्त रखने के लिए कुछ ऐसे योगासन हैं जो रोज सुबह नींद खुलने के बाद आप बेड पर ही कर सकते हैं। सुबह सुबह योगासन का अभ्यास मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। योगासन से शारीरिक समस्याएं कम होने के साथ ही तनाव और चिंता भी कम होती है। इन पांच योगासनों को रोजाना सुबह आसानी से आप अपने बिस्तर पर कर सकते हैं।

बटरफ्लाई पोज

बद्धकोणासन को बटरफ्लाई पोज कहते हैं, जिसके अभ्यास से हिप्स और जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और चर्बी कम होती है। पैरों में मजबूती और हिप्स शेप के लिए भी यह योगासन फायदेमंद है। इस योगासन को करने के लिए बिस्तर पर सीधा बैठकर दोनों पैरों के घुटनों को अंदर की तरह मोड़ें। अब पैरों के दोनों तलवे आपस में जोड़ते हुए दोनों हाथों से पैरों को पकड़ लें। अब जांघों को हिलाएं। इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं। यह आसन मन के लिए एक सुखदायक बाम है, तनाव और तनाव को दूर करता है, और आपको शांति की एक शांत भावना देता है।

विपरीत करणी

इस आसन को करने से ब्लड सर्कुलेशन सीधा मस्तिष्क तक पहुंचता है और दिमाग तेजी से चलता है। मस्तिष्क तनाव मुक्त होता है और डार्क सर्कल सही होकर त्वचा ग्लो करती है। विपरीत करणी योगासन करने के लिए बिस्तर पर लेटकर पैरों को दीवार से सटाएं। फिर पैर को सीधा रखते हुए शरीर को भी सीधा कर लें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें फिर सामान्य हो जाएं।

भुजंगासन

रोजाना भुजंगासन का अभ्यास करने से भुजाएं मजबूत होती हैं। मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे बेली फैट कम होता है और रीढ़ में लचीलापन आता है। भुजंगासन का अभ्यास करने के लिए बिस्तर पर पेट के बल सीधा लेटकर दोनों हाथों को कंधे के सामने ले आएं। फिर दोनों हाथों को कंधे पर सामने लाते हुए पूरा शरीर एक सीध में रखें। अब ऊपरी हिस्से को भुजाओं से उठाएं और पैर सीधे रखते हुए कमर से ऊपर का हिस्सा हवा में रखें। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं। भुजंग आसन के नित्य प्रयोग से महिलाओं को मासिक चक्र से जुड़ी समस्याओं में लाभ मिलता है। तथा प्रजनन सम्बन्धी रोग भी दूर हो जाते हैं। भुजंग आसन करने से पीठ की हड्डी मजबूत हो जाती है। कब्ज़ रोग दूर होता है, गैस की समस्या मिट जाती है। पाचन तंत्र मजबूत होता है और पेट में जमी हुई अतिरिक्त चर्बी भी दूर हो जाती है। इस व्यायाम को प्रति दिन सुबह में करने से रीड़ की हड्डी लचकदार बन जाती है।

हंसना मना है

इंस्पेक्टर- क्या तुमने भागते हुए कातिल को पकड़ लिया? हवलदार- नहीं सर, पर उसकी उंगलियों के निशान ले आया हूं! इंस्पेक्टर- चलो ठीक है, कहां हैं निशान? हवलदार- सर, मेरे गालों पर!

एक बूढ़ी औरत ऐ टी एम के पास पप्पू से बोली: बेटा मेरा बैलन्स चेक करना! पप्पू ने उसे धक्का दे दिया, बूढ़ी औरत गिर गई! पप्पू : आपका बैलन्स खराब है!

एक लड़का एक गधे के सामने गिर गया। एक खूबसूरत लड़की ने यह देखकर कहा- अपने बड़े भाई के पैर छू रहे हो? लड़का बोला-जी भाभीजी!

पत्नी: अगर मैं खो गयी तो तुम क्या करोगे? पति: मैं अखबार में इश्तिहार दूंगा। पत्नी: तुम कितने अच्छे हो, क्या लिखोगे? पति: जिसको मिले उसकी।

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है, बाप: बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई, बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं....और पापा डर के मारे पीले।

कहानी | मेंढक और बैल

बहुत पुरानी बात है। किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढक रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। वो सभी तालाब में ही रहते और खाते-पीते थे। उस मेंढक की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढक बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढक भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढक को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन मेंढक के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए और बहुत ज्यादा हैरान हो गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढक के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढक के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा 'क्या वो उससे भी बड़ा जीव था?' उसके बच्चों ने कहा, 'हां, वो तो आप से भी बड़ा जीव था।' मेंढक को गुस्सा आ गया, उसने और ज्यादा सांस भरकर खुद को फुलाया और पूछा, 'क्या अब भी वो जीव बड़ा था?' बच्चों ने कहा, ' ये तो कुछ भी नहीं, वो आपसे कई गुना बड़ा था।' मेंढक से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर पूरी तरह फुल गया और वो फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

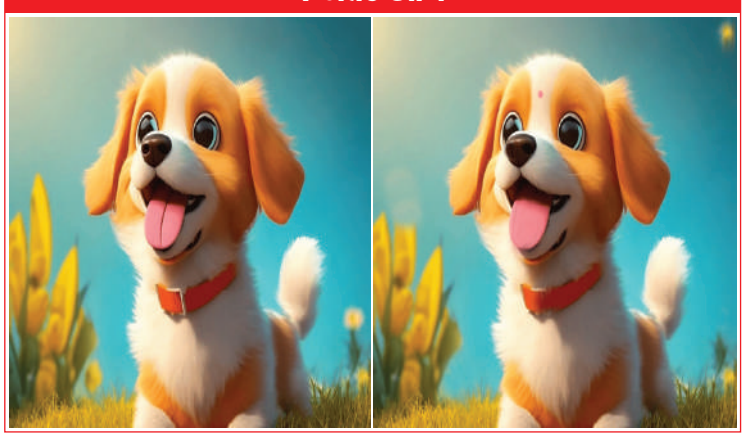

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ

कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन

धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह

कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या

रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें।

तुला

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु

जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर

किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी।

कुम्भ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

स्त्री-2 के बाद शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी श्रद्धा!

श्रद्धा कपूर ने साल 2013 की फिल्म आशिकी 2 से अपने बॉलीवुड सफर की शुरुआत की थी। श्रद्धा को इंडस्ट्री में 10 साल से अधिक समय हो गया है। उन्होंने इन वर्षों में हॉरर कॉमेडी से लेकर डांस ड्रामा तक हर तरह की फिल्मों में काम कर खुद को साबित किया है। श्रद्धा अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने खुलासा किया, उनकी आगामी परियोजनाएं समय यात्रा और पौराणिक कथाओं पर आधारित होंगी।

श्रद्धा कपूर ने अपने फैंस से बातचीत करते हुए कहा, तो देखो अभी स्त्री 2 आ रही है। साथ ही दो-तीन फिल्में अभी डेवलप हो रही हैं और दोनों बेहद ही दिलचस्प जोन की हैं। मैं चाहती हूं कि जो भी काम करूं वो मेरा सबसे अच्छा करूं। फिलहाल ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहूंगी, लेकिन, जो फिल्म है, उसकी कहानी पौराणिक क्षेत्र से है और दूसरी टाइम ट्रैवल से जुड़ी हुई है। उम्मीद है, आप सब उत्साहित होंगे और निश्चित रूप से स्त्री 2 आ रही है।

एक फैन ने कमेंट कर सवाल किया कि क्या उन्हें अश्वत्थामा पर आधारित शाहिद कपूर की फिल्म ऑफर हुई है?, वहीं एक अन्य ने लिखा, स्त्री 2 के लिए बहुत उत्साहित हूं। एक अन्य फैन ने लिखा, उनके लिए अच्छा है। वहीं, एक फैन ने अभिनेत्री की तारीफ करते हुए लिखा, आपकी आंखें बहुत अच्छी हैं और आवाज सबसे प्यारी है।

अभिनेत्री की निजी जिंदगी के बारे में बात करें, तो इन दिनों वह अपनी शादी की खबर को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, श्रद्धा ने रविवार को अपनी कुछ तस्वीरें साझा कर कैप्शन में लिखा था, अच्छी लग रही हूं। शादी कर लूं? तभी से उनकी शादी की खबरें सुर्खियों में बनी हैं।

श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल श्रद्धा कपूर की कई फिल्में लाइन-अप हैं। इनमें कार्तिक आर्यन के साथ चंदू चैंपियन भी शामिल है, जिसकी जून में रिलीज होने की संभावना है। वहीं, सुपरहिट हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री का सीक्वल भी इस साल रिलीज होने के लिए तैयार है। स्त्री 2 30 अगस्त को रिलीज होगी। इसके अलावा अनुराग बसु की भी एक फिल्म में श्रद्धा नजर आने वाली हैं।

लाल सलाम का ट्रेलर रिलीज

रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या के निर्देशन में बनी फिल्म लाल सलाम की रिलीज को कुछ दिन ही शेष बचे हैं। ये फिल्म अगले महीने दस्तक देगी। हाल ही में, मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस फिल्म में विक्रांत और विष्णु लीड रोल में हैं। रजनीकांत भी अपनी बेटी की फिल्म में कैमियो रोल में नजर आएंगे।

ट्रेलर तमिल भाषा में जारी किया गया था जो कि क्रिकेट ड्रामा के साथ धर्म, राजनीति और सत्ता जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमता है। फिल्म में मुख्य कलाकार विक्रांत और विष्णु विशाल क्रिकेटर की भूमिका में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव की भी झलक देखने को मिलती है। ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित, यह फिल्म लाइका प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित और ए सुबास्करन द्वारा प्रस्तुत की गई है। फिल्म में रजनीकांत मोइदीन भाई के किरदार में नजर आएंगे और पहले पोस्टर के मुताबिक यह फिल्म क्रिकेट और दोस्ती के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने तैयार किया है। यह तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण पिछले साल मार्च में शुरू हुआ था और शूटिंग मुंबई, चेन्नई और पुडुचेरी में हुई थी। पिछले साल सेट से रजनीकांत और कपिल देव की एक तस्वीर भी ऑनलाइन सामने आई थी और अपने पोस्ट में अभिनेता ने कहा था कि महान क्रिकेटर के साथ काम करना उनका सौभाग्य है। यह फिल्म ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित है और 9 फरवरी, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। आगामी स्पोर्ट्स ड्रामा पहले पोंगल के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। फैंस को भी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

बॉलीवुड | **मन की बात**

कंगना रनौत ने एनिमल निर्देशक संदीप रेड्डी को सुनाई खरी-खोटी

जाने-माने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा एनिमल और कबीर सिंह जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी आखिरी फिल्म रणबीर कपूर स्टारर एनिमल रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से खूब सराहना मिली। हालांकि इस फिल्म में महिलाओं के किरदार को कमजोर दिखाने को लेकर इसे कड़ी आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ गया था। अभिनेत्री कंगना रणौत ने भी फिल्म की आलोचना की थी। अब इसे लेकर संदीप की प्रतिक्रिया सामने आई है। संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कंगना रणौत और उनके काम की सराहना की है। साथ ही कंगना के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। वांगा से बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि क्या वह कंगना के साथ काम करना चाहते हैं। इसका जवाब देते हुए निर्देशक ने कहा, अगर मुझे मौका मिलेगा और मुझे लगेगा कि वह इसमें फिट बैठेंगी, तो मैं जाऊंगा और कहानी सुनाऊंगा। उन्होंने आगे कहा, मैंने उनकी बहुत सारी फिल्में देखी हैं। मुझे वास्तव में क्वीन और कई अन्य फिल्मों में उनका अभिनय प्रदर्शन पसंद आया। इसलिए अगर वह एनिमल के बारे में कोई नकारात्मक टिप्पणी दे रही हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मुझे गुस्सा भी नहीं आता, क्योंकि मैंने उनका काम देखा है। मुझे बुरा नहीं लगता। एनिमल के निर्देशक की इस प्रतिक्रिया पर कंगना का जवाब सामने आया है। उन्होंने एक पोस्ट साझा कर लिखा, समीक्षा और आलोचना समान नहीं हैं, हर तरह की कला की समीक्षा और चर्चा की जानी चाहिए, यह एक सामान्य बात है। जिस तरह से संदीप जी ने मेरे रिव्यू पर मुस्कुराकर मेरे प्रति सम्मान जताया, उससे कहा जा सकता है कि वह मर्दाना फिल्में तो बनाते ही हैं, उनका एटीट्यूड भी मर्दाना है, धन्यवाद सर। उन्होंने आगे लिखा, लेकिन कृपा करके मुझे कभी कोई रोल मत देना नहीं तो आपके अल्फा मेल हीरोज फेमिनिस्ट हो जाएंगे और फिर आपकी फिल्में भी पिट जायेंगी, आप ब्लाकबस्टर बनाओ फिल्म इंडस्ट्री को आपकी जरूरत है।

साल में केवल 6 दिन ही खुलता है ये आइलैंड, खुलती है केवल एक ही दुकान

दुनिया में कई द्वीप ऐसे हैं जो मशहूर नहीं होते हैं और ना ही उनमें कोई बहुत ही बड़ा या अनोखा आकर्षण होता है। फिर भी एक इस तरह का द्वीप है जो साल में केवल छह दिन ही लोगों के लिए खुलता है और लोग यहां घूमने के बाद इसकी तारीफ ही करते हैं। इंग्लैंड का यह सीक्रेट आइलैंड मिलिट्री के कब्जे में है। इसमें केवल एक ही दुकान और एक ही चर्च है। यहां कोई पब नहीं है। लेकिन 150 लोगों के इस गांव में जाने के लिए खास आवेदन करना पड़ता है। एसेक्स के तट के दूसरी तरफ मौजूद फाउलनेस द्वीप में केवल 150 लोग रहते हैं। यहां करीब 80 घर हैं जो केवल दो गांवों में बसे हैं। इस खास द्वीप की के बारे में कहा जाता है कि इस द्वीप से कभी समग्लर बहुत गुजरा करते थे क्योंकि इसके तटों पर कोई दिखाई नहीं देता है। और इसके अंदर बहुत से संकरे पानी के रास्ते भी हैं। 20वीं सदी की शुरुआत में यह फाउलनेस द्वीप ब्रिटेन के युद्ध विभाग को सौंप दिया गया था। आज यह द्वीप मिलिट्री ऑफ डिफेस के हवाले हैं और इसका उपयोग कर मिसाइल, बैलेस्टिक टोरपीडो आदि हथियारों के परीक्षण के लिए होता है लेकिन यहां क्या काम होता है, इसके ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत क्लासिफाइड कह कर, यह बताया नहीं जाता है। इसके बावजूद ब्रिटेन के लोग छुट्टी मनाने इस द्वीप पर महीने के पहले ही रविवार को ही यहां आ सकते हैं, लेकिन यह केवल छह महीने ही खुलता है। द्वीप में आने के लिए पर्यटकों को पूरी पंजीयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है जो उन्हें द्वीप के हेरिटेज सेंटर की वेबसाइट पर पहले से आवेदन दे कर करना होता है। यह सेंटर पहले 2003 में एक पुराने स्कूल में खोला गया था जिसमें द्वीप के 2000 साल पुराने इतिहास की चीजें मौजूद हैं। लोगों इस द्वीप के हर इलाके में घूमने नहीं दिया जाता है। यहां दो ही पब हुआ करते ते और वे भी 2007 से बंद हैं और अब केवल एक ही चर्च है जहां लोग जा सकते हैं। इसके अलावा यहां केवल एक ही दुकान है जो पोस्ट ऑफिस की भी तरह काम करती हैं। यहां पक्षी विचरते भी देखे जा सकते हैं, और सर्दियों के मौसम में यहां भारी संख्या में पक्षी आते हैं। इसके अलावा यह छोटा से द्वीप एक ऐसी पगडंडी के लिए मशहूर है जिसे देश का सबसे खतरनाक फुटपाथ कहा जाता है क्योंकि इस पर केवल उन्हीं दिनों चला जा सकता है जब समुद्री ज्वार नहीं हो।

अजब-गजब | **जानिए क्या है इस समुद्र का रहस्य**

अनोखा समुद्र, जिसमें चाहकर भी नहीं डूब सकता कोई

समंदर बहुत खतरनाक और ताकतवर होते हैं। समंदर में जब लहरें उठती हैं तो बड़े बड़े जहाज उसमें डूब जाते हैं। कई बार समंदर में नाव पलटने से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि इस दुनिया में एक ऐसा अनोखा समंदर भी है, जिसमें कोई नहीं डूबता। जिनको तैरना नहीं आता वे भी इस समंदर में नहीं डूबते। जानते हैं क्या है इसका रहस्य।

हम बात कर रहे हैं जॉर्डन और इजराइल के बीच में स्थित डेड सी की। इस समंदर में दुनिया भर के सभी समंदर से ज्यादा खारा है। इस समंदर में आप चाहकर भी नहीं डूब सकते। दरअसल, यहां पर नमक की मात्रा इतनी ज्यादा है कि दूसरे समन्दरों के मुकाबले यहाँ 6 से 7 गुना ज्यादा नमक पाया जाता है। पानी में इतना ज्यादा नमक होने के कारण यहां कोई नहीं डूबता। इसमें पानी का बहाव नीचे से ऊपर की ओर है और यही कारण है कि इस समुद्र में सीधे लेट जाने पर आप इसमें डूब नहीं सकते। यहां हमेशा

पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

इस समुद्र का पानी इतना ज्यादा खारा है कि ना तो यहां कोई पेड़-पौधा है और न ही कोई घास। इस समुद्र में मछली और अन्य जीव भी नहीं पाए जाते। इसी कारण ग्रीक लेखक ने इसे डेड सी का नाम दिया था। वैसे इसे और भी कई नामों से बुलाया जाता है। हेब्रू में इसे नमक का सागर कहते हैं। वैसे तो इसको कई नामों से जाना जाता है कि लेकिन आज भी इसकी पहचान डेड सी के नाम से ही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां लोग सिर्फ मौज मस्ती ही नहीं बल्कि इस समंदर में मौजूद मिनरल्स स्वास्थ्य के लिए भी आते हैं। ये समंदर कुदरत का एक तोहफा है जो हजारों सालों की कोशिशों के बाद बना है। इसकी इन ही खूबियों के चलते इसे 2007 में 7 न्यू वंडर्स इन द वर्ल्ड की लिस्ट में शामिल किया गया।

अजित पवार ही एनसीपी के असली 'दादा'

चुनाव आयोग ने अजित गुट के पक्ष में सुनाया फैसला, निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जायेगा शरद गुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन को लगातार झटके पर झटके लग रहे हैं। जो हाल कुछ दिन पहले शिवसेना और उद्धव ठाकरे का हुआ था, अब कुछ वैसा ही झटका एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भी लगा है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले शरद पवार को लगा ये झटका काफी बड़ा है। दरअसल, एनसीपी में टूट के बाद असली-नकली एनसीपी की लड़ाई में चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट वाली एनसीपी को ही असली एनसीपी करार दिया है।

यानी जैसे उद्धव ठाकरे के हाथ से असली शिवसेना का तमगा छिन गया, कुछ वैसा ही एनसीपी में शरद पवार के साथ हुआ है। चुनाव आयोग ने कहा कि तमाम सबूतों के मद्देनजर ये फैसला लिया गया है। चुनाव आयोग का कहना है कि अजित पवार गुट को एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने का अधिकार है। हालांकि, आयोग ने शरद पवार को नई पार्टी के गठन के लिए तीन नाम देने को कहा है। ये नाम आज शाम 3 बजे तक देने होंगे।

6 महीने से अधिक समय तक चली 10 से अधिक सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने एनसीपी में विवाद का निपटारा करते हुए अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने अपने फैसले में याचिका की रखरखाव के निर्धारित परीक्षणों का पालन किया, जिसमें पार्टी संविधान के लक्ष्यों और उद्देश्यों का परीक्षण, पार्टी संविधान का परीक्षण और संगठनात्मक और विधायी दोनों बहुमत के परीक्षण शामिल थे।

एनसीपी के सभी पदाधिकारी हमारे साथ : अजित पवार

अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि लोकतंत्र में बहुमत को ही प्राथमिकता दी जाती है। तकरीबन 50 विधायक हमारे साथ हैं। यहां तक की ज्यादातर जिला अध्यक्ष और पार्टी प्रकोष्ठों के प्रमुख भी हमारे साथ ही खड़े हैं। अजित पवार ने कहा कि वह चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं। शरद पवार द्वारा चुनाव आयोग के आदेश को चुनौती देने वाले बयान पर अजित पवार ने कहा कि हर किसी को ऐसा करने का अधिकार है।

चुनाव आयोग के मुताबिक शरद पवार गुट समय पर बहुमत साबित नहीं कर सका, इसके चलते चीजें उनके पक्ष में नहीं गईं। महाराष्ट्र से राज्यसभा की 6 सीटों के लिए चुनाव की समयसीमा को ध्यान में रखते हुए शरद पवार गुट को चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 39 का पालन करने के लिए विशेष रियायत दी गई हैं। उन्हें 7 फरवरी शाम तक नई पार्टी गठन के लिए तीन नाम देने को कहा गया है। अब एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न घड़ी अजित पवार के पास रहेगा।

जो शिवसेना के साथ हुआ वही हमारे साथ हुआ: सुप्रिया

शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमिताभ बच्चन, अमिताभ बच्चन है और हमारा अमिताभ बच्चन शरद पवार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जो शिवसेना के साथ हुआ, वही आज हमारे साथ हो रहा है, इसलिए यह कोई नया आदेश नहीं है। बस नाम हैं, बदल दिए गए हैं, लेकिन सामग्री वही है। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमीशन का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है, एनसीपी ही शरद पवार है।

यूपीए सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन पर मोदी सरकार लाएगी श्वेतपत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेतृत्व में रही यूपीए सरकार (2004-2014) के 10 सालों के आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर केंद्र की मोदी सरकार संसद में श्वेतपत्र लाएगी। ये श्वेतपत्र सदन में शुक्रवार 9 फरवरी या फिर शनिवार 10 फरवरी को पेश किया जा सकता है। श्वेतपत्र में आर्थिक कुप्रबंधन के अलावा यूपीए सरकार के दौरान उठाए जा सकने वाले सकारात्मक कदमों के असर के बारे में भी बात की जाएगी। साथ ही पत्र में भारत की आर्थिक दुर्गति और अर्थव्यवस्था पर पड़े नकारात्मक प्रभावों को भी विस्तार से रखा जाएगा।

ये ऐसे समय सामने आ रहा है जब 5 फरवरी को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने सदन में कहा था कि कांग्रेस सिर्फ एक परिवार में उलझ गई है। इन्होंने देश के लोगों ने कुछ काम नहीं किया है। बता दें कि संसद के बजट सत्र को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इस साल होने लोकसभा चुनाव से पहले ये आखिरी सत्र है।

गडकरी का मौजूदा राजनीति पर कटाक्ष

केंद्रीय मंत्री ने कहा-विचारधारा में गिरावट लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं

» बोले-अच्छा काम करने वाले को नहीं मिलता सम्मान

» अवसरवादी नेताओं पर केंद्रीय मंत्री ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री व भाजपा के दिग्गज नेता नितिन गडकरी ने एक बार फिर कुछ ऐसा कहा है जो चर्चा का विषय बन गया है। गडकरी ने कहा कि अच्छे काम करने वाले को कभी सम्मान नहीं मिलता है।

इस दौरान उन्होंने अवसरवादी नेताओं के सत्ताधारी दल से जुड़े रहने की इच्छा पर चिंता जताई और कहा कि विचारधारा में इस तरह की गिरावट लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे भी नेता हैं जो अपनी विचारधारा पर दृढ़ हैं लेकिन उनकी संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है।

हमारी समस्या विचारों की कमी होना

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि हमारी बहसों और चर्चाओं में मतभेद हमारी समस्या नहीं है। हमारी समस्या विचारों की कमी है। ऐसे लोग भी हैं जो अपनी विचारधारा के आधार पर दृढ़ विश्वास के साथ खड़े हैं लेकिन इस तरह के लोगों की संख्या घट रही है। और विचारधारा में गिरावट, जो हो रही है, लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। गडकरी ने कहा कि न तो दक्षिणपंथी और न ही वामपंथी, हम जाने-माने अवसरवादी हैं, कुछ लोग ऐसा लिखते हैं। और सभी सत्तारूढ़ दल से जुड़े रहना चाहते हैं। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शशि थरूर और बीजू जनता दल के राज्यसभा सदस्य सस्मित पात्रा को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ सांसद के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नेताओं के बीच मतभेद होना चाहिए, मनभेद नहीं

गडकरी ने कहा है कि आज गौरवपूर्ण लोकतंत्र को आगे बढ़ाने में हमारे सांसदों की गुणवत्ता है, लेकिन आज हमारी समस्या नेताओं के बीच मतभेद नहीं बल्कि विचारों की शून्यता है। केंद्रीय मंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी से सीखा है कि नेताओं के बीच मतभेद होना चाहिए यह अच्छा है, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। किसी का नाम लिए बिना गडकरी ने कहा कि मैं हमेशा मजाक में कहता हूं कि चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो, एक बात तय है कि जो अच्छा काम करता है उसे कभी सम्मान नहीं मिलता और जो बुरा काम करता है उसे कभी सजा नहीं मिलती। गडकरी एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें सांसदों को उनके बेहतरीन योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

11 फरवरी को अयोध्या में रामलला के दर्शन करेंगे यूपी के माननीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के विधायक 11 फरवरी को श्रीराम मंदिर में दर्शन को अयोध्या जाएंगे। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व विधायक शामिल हैं। यह देखने की बात होगी कि इसमें विपक्षी दलों के कितने विधायक मुख्यमंत्री के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए अयोध्या दर्शन करने जाएंगे। यूपी विधानसभा ने हाल में श्रीराम मंदिर निर्माण पर मोदी योगी के प्रति आभार जताते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पास किया था। अब सभी विधायकों को अयोध्या ले जाने की तैयारी है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार को सदन में स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की ओर से वह विधायकों को अयोध्या चलने के लिए निमंत्रण दे रहे हैं, लेकिन किसी सदस्य का अयोध्या चलना बाध्यकारी नहीं है। विधायक चाहें तो अपनी पत्नी या पति को ले चल सकते हैं लेकिन कोई अपने साथ सहायक नहीं जा सकेगा।

ट्रॉफी उठाने से एक कदम दूर भारतीय टीम

» सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका की मेजबानी में खेले जा रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम ने धांसू प्रदर्शन करते हुए फाइनल में एंट्री कर ली है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान अफ्रीका को 2 विकेट से करारी शिकस्त देकर 9वीं बार फाइनल में जगह बनाई है।

सेमीफाइनल मुकाबले में टॉस हारकर अफ्रीकी टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 245 रनों का टारगेट दिया था। इसके जवाब में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने 32 रनों पर 4 विकेट गंवा दिए थे। मगर उसके बाद सचिन धास और कप्तान उदय सहारन ने पांचवें विकेट के लिए 187 गेंदों पर 171 रनों की पार्टनरशिप कर टीम को संभाला।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : अहम मुकाबले के हीरो रहे सचिन धास

शतक से चूके सचिन

बदकिस्मती से सचिन शतक पूरा नहीं कर सके। छठे नंबर पर बैटिंग करते हुए सचिन ने 95 गेंदों पर 96 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 1 छक्का और 11 चौके जमाए। जबकि कप्तान सहारन ने 124 गेंदों पर 81 रनों की धांसू पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। अफ्रीका के लिए तेज गेंदबाज ट्रिस्टन लूस ने 3 और क्वेना मफाका ने 2 विकेट लिए।

अफ्रीका ने बनाए थे 244 रन

इससे पहले मुकाबले में अफ्रीकी टीम ने 7 विकेट पर 244 रन बनाए थे। टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रिटोरियस ने सबसे ज्यादा 76 रनों की पारी खेली। जबकि रिचर्ड सेलेत्स्वाने ने 64 रन बनाए। गेंदबाजी में भारतीय टीम के लिए तेज गेंदबाज राज लिम्बानी ने 3 और स्पिन ऑलराउंडर मुशीर खान ने 2 विकेट झटके।

9वीं बार फाइनल में पहुंचा भारत

बता दें कि भारतीय टीम ने अब तक सबसे ज्यादा 5 बार अंडर-19 वर्ल्ड कप खिताब जीते हैं। जबकि 3 बार उसे फाइनल में हार मिली है। इस तरह भारतीय टीम अब 9वीं बार फाइनल में पहुंची है। जबकि दूसरी ओर साउथ अफ्रीका एक ही बार 2014 में चैम्पियन बना था। जबकि दो बार वो फाइनल में हारा है। अफ्रीकी टीम के पास चौथी बार फाइनल में पहुंचने का मौका था, लेकिन उसने गंवा दिया।

भाजपा व मोदी केजरीवाल को खत्म करना चाहते हैं: आतिशी

बोलीं- पीएम जानते हैं उन्हें सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही दे सकते हैं चुनौती

» कल सीएम के निजी सचिव के घर 16 घंटे हुई छापेमारी पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के पीछे ईडी लगातार लगी हुई है। ईडी और आप के बीच ये खेल लगातार जारी है। इसको लेकर आम आदमी पार्टी लगातार ईडी व केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर भी रही है। अब एक बार फिर दिल्ली की केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी ने प्रेस वार्ता करते हुए प्रवर्तन निदेशालय पर निशाना साधा है।

आतिशी ने कहा कि ईडी ने कल अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव के घर 16 घंटे तक छापेमारी की। 16 घंटे में ईडी को छापेमारी में क्या मिला। ईडी ने केस तक नहीं बताया। ईडी ने सारे दिखावे खत्म कर दिए हैं और अपना असली रूप सामने रख दिया है कि जो छापे पड़ रहे हैं और जो समन आ रहे वो सिर्फ और सिर्फ एक बात दिखाती है कि ये अरविंद केजरीवाल के खिलाफ साजिश है। केजरीवाल छापेमारी से नहीं डरेंगे। यह दिल्ली सीएम के खिलाफ साजिश है।

आप नेता ने कहा कि 16 घंटे की छापेमारी के बाद ईडी ने मुख्यमंत्री के निजी सचिव के दो जीमेल अकाउंट डाउनलोड कर लिए। फिर उन्होंने सीएम के निजी सचिव और उनके परिवार के तीन मोबाइल फोन ले लिए। ये था 16 घंटे का ईडी का छापा। पीएम मोदी जानते हैं कि अगर कोई नेता है जो उन्हें चुनौती दे सकता है और उनके खिलाफ आवाज उठा सकता है, तो वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं।

भाजपा के विरोधियों को खत्म करने के लिए हो रहा ईडी का इस्तेमाल

समन का जवाब नहीं देने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी की शिकायत पर राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई होने पर दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा और पीएम मोदी अरविंद केजरीवाल को खत्म करना चाहते हैं। अब उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि बिना किसी मामले या ईसीआईआर के छापे मारे जा रहे हैं। क्या यह प्रमुख जांच एजेंसी है? आज, ईडी का इस्तेमाल केवल भाजपा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने के लिए किया जा रहा है और अरविंद केजरीवाल इस सूची में नंबर एक पर हैं।

आतिशी ने लगाया था ईडी पर सुबूत मिटाने का आरोप

इससे पहले आतिशी ने मंगलवार को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान उन्होंने तथाकथित आबकारी घोटाले के मामले में ईडी पर सुबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज से ऑडियो हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा थे कि बिना ऑडियो के गवाहों के बयान सही व गलत होने के साथ-साथ उनकी गवाही से मेल खाने पर सवाल उठेगा। दरअसल, ईडी की पूरी जांच ही फर्जी है। ईडी जांच नहीं कर रही है, बल्कि उसकी जांच में ही घोटाला है।

जयंत चौधरी हमारे साथ हैं और आगे भी रहेंगे: शिवपाल

» आरएलडी के भाजपा के साथ जाने की खबरों को सपा नेता ने बताया अफवाह

» 11 फरवरी को अयोध्या नहीं जाएंगे सपा के विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया ब्लॉक से राष्ट्रीय लोकदल से अलग होने की चर्चा है। चर्चाएं हैं कि जयंत चौधरी एनडीए में शामिल हो सकते हैं। लेकिन अब जयंत के एनडीए में शामिल होने के बीच समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने दावा किया है कि जयंत चौधरी हमारे साथ हैं। सपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आरएलडी की गठबंधन की फर्जी अफवाह बीजेपी चला रही है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। आरएलडी हमारे साथ है और आगे चुनाव में भी हमारे साथ ही रहेगी। हम लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे और बीजेपी को हराएंगे।

वहीं 11 फरवरी को विधायकों को अयोध्या ले जाने पर भी शिवपाल ने कहा कि सपा के विधायक वहां नहीं जाएंगे। उस दिन जाने का कोई विशेष महत्व नहीं है, पहले बात निमंत्रण की थी जो हमें नहीं मिला था। अब हम अपनी सुविधा से जाएंगे।

सपा-आरएलडी का अटूट गठबंधन : नरेश उत्तम

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने आरएलडी के मुद्दे पर कहा कि आरएलडी और सपा का गठबंधन अटूट है। उन्होंने कहा कि गठबंधन को लेकर सब अफवाहें हैं। राष्ट्रीय लोकदल और समाजवादी पार्टी का गठबंधन अटूट है। हमारा उनका विचार मिलता है हमें पूरा भरोसा है। वह और हम सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे। बीजेपी के पास तोड़ने-फोड़ने और अफवाह फैलाने के अलावा कुछ नहीं है।

इस बीच आरएलडी से गठबंधन पर योगी सरकार में मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि उन्हें मालूम है कि उन्हें कुछ नहीं मिलने वाला है। खन्ना ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि उनके जो सरगना है वह आज कहां आ गए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है, आप समझ सकते है, उन्हें मालूम है कि उन्हें कुछ नहीं मिलने वाला है, इस बार सभी 80 सीटें बीजेपी जीतने वाली है।

जयंत को कुछ नहीं मिलने वाला: खन्ना

गृह मंत्रालय की सुरक्षा में सेंधमारी का प्रयास

» फर्जी दस्तावेज के सहारे घुसा युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्रालय की सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया है। गृह मंत्रालय में एक युवक फर्जी दस्तावेज के सहारे घुस गया। दिल्ली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है और उसे संयुक्त रूप से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के कर्तव्य पथ थाने की पुलिस ने फर्जी पहचान पत्र पर नार्थ ब्लाक स्थित गृह मंत्रालय के ऑफिस में घुसने की कोशिश करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम आदित्य प्रताप सिंह है।

बताया जा रहा है कि आदित्य किस मकसद से फर्जी आईडी पर घुसा इसकी पुलिस जांच कर रही है। लेकिन फिलहाल इसका कोई टेरर एंगल नहीं पता चला है।

जानकारी के मुताबिक, ये किसी से जालसाजी करने के इरादे से अंदर घुसा था। आरोपी से स्पेशल सेल और अन्य एजेंसियां भी पूछताछ कर चुकी है।

लोकसभा की सुरक्षा में हुई थी चूक

लोकसभा में बीते साल 13 दिसंबर को दो युवक दर्शक दीर्घा से डेस्क पर कूदे और कलर स्मोंग निकालने लगे। इस दौरान पूरे हॉल में धुंआ हो गया। वही, उनके साथी भी संसद के बाहर इसी तरह का प्रदर्शन कर लगे। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया था कि उनका मकसद मणिपुर हिंसा, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करना था। इस मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मैं वीर झारखंडी योद्धा की जीवनसाथी हूं: कल्पना

» शादी की 18वीं सालगिरह पर हेमंत सोरेन की पत्नी का संदेश

» बोलीं- मुस्कुराते हुए संघर्ष में पति को शक्ति दूंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में मची सियासी गहमागहमी के बीच आज झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की शादी को 18 साल हो गए हैं। लेकिन इस बार हेमंत अपनी शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ नहीं हैं। वो कथित जमीन घोटाले में ईडी द्वारा हुई गिरफ्तारी के बाद जेल में हैं। ऐसे में सालगिरह के मौके पर हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने पति का साहस बनने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह योद्धा की पत्नी हैं और इसलिए मुस्कुराते हुए संघर्ष में पति को शक्ति देंगी।

इन दिनों पति का सोशल मीडिया अकाउंट संभाल रहीं कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन के एक्स हैंडल पर एक खास संदेश लिखा। उन्होंने कहा, झारखंड के अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा के लिए हेमंत जी ने झुकना स्वीकार नहीं किया। उन्होंने षड्यंत्र से लड़ना और उसे हराने के लिए अपने आप को समर्पित करना बेहतर समझा। आज हमारी शादी की 18वीं सालगिरह है, पर हेमंत जी परिवार के बीच नहीं हैं। बच्चों के साथ नहीं हैं।

'शीघ्र ही षड्यंत्र को हराकर विजेता बनकर आएंगे हेमंत'

कल्पना ने आगे लिखा कि विश्वास है वो इस षड्यंत्र को हरा विजेता बनकर हम सभी के साथ शीघ्र होंगे। मैं एक वीर झारखंडी योद्धा की जीवन साथी हूं। आज के दिन मैं भावुक नहीं होऊंगी। हेमंत जी की तरह ही विषम परिस्थितियों में भी मुस्कुराते हुए उनके साहस और संघर्ष की शक्ति बनूंगी। कल्पना ने पति के साथ एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह खाना पकाने की तैयारी करती दिख रही हैं।

सीएम चंपई ने भी दी हेमंत-कल्पना को शुभकामनाएं

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भी हेमंत और कल्पना सोरेन को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जाहिर की कि वह जल्द विजेता बनकर लौटेंगे। चंपाई ने लिखा कि हेमंत बाबू और कल्पना बेटी को शादी की सालगिरह की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से आप दोनों के उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की कामना करता हूं। बहुत कम लोग होते हैं जो समझौते की आसान राह की जगह, संघर्ष का कठिन रास्ता चुनते हैं। मरांग बुरू से प्रार्थना है कि आप इस विषम परिस्थिति से पार पाकर, एक विजेता की तरह हम सभी के बीच शीघ्र लौटें।

यूसीसी बिल पर ओवैसी ने उठाये सवाल

एआईएमआईएम चीफ ने कहा- यूसीसी बिल एक हिंदू कोड के अलावा और कुछ नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। उत्तराखंड की धामी सरकार ने मंगलवार 6 फरवरी को विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश कर दिया। तमाम मुस्लिम संगठनों ने इस विधेयक पर विरोध जताया है। अब एआईएमआईएम पार्टी के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भी उत्तराखंड सरकार द्वारा पेश किए गए यूसीसी विधेयक पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने कहा कि उत्तराखंड यूसीसी बिल सभी के लिए लागू एक हिंदू कोड के अलावा और कुछ नहीं है।

असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि हिंदू अविभाजित परिवार को छुआ नहीं गया है। क्यों? यदि आप उत्तराधिकार और विरासत के लिए एक समान कानून चाहते हैं, तो हिंदुओं को इससे बाहर क्यों रखा गया है? क्या कोई कानून एक समान हो सकता है यदि वह आपके राज्य के अधिकांश हिस्सों पर लागू नहीं होता है?

उत्तराखंड की धामी सरकार ने सोमवार को विधानसभा में पेश किया था समान नागरिक संहिता बिल

अनुच्छेद 25 और 29 का उल्लंघन: ओवैसी

एआईएमआईएम सांसद ने कहा कि यूसीसी में अन्य संवैधानिक और कानूनी मुद्दे भी हैं। आदिवासियों को बाहर क्यों रखा गया है? यदि एक समुदाय को छूट दे दी जाए तो क्या यह एक समान हो सकता है? अगला सवाल मौलिक अधिकारों का है। मुझे अपने धर्म और संस्कृति का पालन करने का अधिकार है, यह विधेयक मुझे एक अलग धर्म और संस्कृति का पालन करने के लिए मजबूर करता है। हमारे धर्म में विरासत और विवाह धार्मिक प्रथा का हिस्सा हैं, हमें एक अलग प्रणाली का पालन करने के लिए मजबूर करना अनुच्छेद 25 और 29 का उल्लंघन है।

हिंदू अविभाजित परिवार को क्यों बाहर रखा गया

ओवैसी ने आगे कहा कि बहुविवाह, हलाला, लिव-इन रिलेशनशिप चर्चा का विषय बन गए हैं। लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि हिंदू अविभाजित परिवार को क्यों बाहर रखा गया है। कोई नहीं पूछ रहा कि इसकी जरूरत क्यों पड़ी। सीएम के मुताबिक, बाढ़ से उनके राज्य (उत्तराखंड) को 1000 करोड़ का नुकसान हुआ। 17000 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई और फसल के नुकसान का अनुमान 2 करोड़ से अधिक था। उत्तराखंड की वित्तीय स्थिति खराब है, इसलिए धामी को इसे (हिंदू अविभाजित परिवार) सामने रखना चाहिए था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।